

DPN 6550

Title : नक्षत्रफल NAKṢATRA PHALA

Run. No. 7275

Cat. No.

Micro. No.

Subject Astrology.

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 22.5 x 8.5

Folios 10
(22-30, 43)

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

स्वप्नस पंक्षि, लु, ओहो, माने, मोति, पूला, भिंड. भिंड वस्त्र धते हानीव ॥ १

मया कावडया मूनरुयूव. मिता इव सो मिऊन लुहाव. डयनास इयूव व
रस लुहिनो ॥ नू कायो मवादि पूया रुय. निवाहा नूहि मानि. विवक दार
व नूव नूह मयि यद मित्र. पलाक सुरुव मरुवाव काथवानी इयक स
लुव वर मत्त निवाहि. छू धानू वर कपात्रक वरु सऊन मथून सगमड.
धुं वर विल मानाधिक गज सवा. पिय दर्शन. पत लुहाव. ॥ तिल
कल्लान गवपीठस कटि पुदश. पष्ठ सपाद स. नू गवसु सुधु स. ध
नल्लान सतिल दयूव ॥ ॥ लु प्र स. पीकि. लु. डाहा मनि मोति. पूत. हि

ॐ ह्रीं कवमु धनकनीव ॥ ॥ ज्ञादात्र स र्धैरुक्ति मवयार्हं ननयययवना
 काधननसानययवा ॥ ॥ प्रागविना धातु वात पित्त ॥ ४२ ॥ आधिक त्रीगट
 वध रू रू धाव नू तिसात्र नय वाग मा उ स्या क त्र कात्र म एक दिन १ मा
 स १ वर्ष १ प्रात वाग मुख पात द्वादश वर्ष १२ विस्मृता नू तिसात्र नम लख्य
 वर्ष १५ सिमा ज्ञादिन कातिनीव वर्ष ३२ स गम स मु रु य ॥ गम ग रु य २२
 पा उ वाग वर्ष १० स्व स्नान रु वति कनकाय प्र नम ल पत्र माय वर्ष १००
 म्नायव ॥ धन कात्र म ल मू मा ल क या सा महाद वपू जा क्षम काय क रु

लजा ग दान पु न्य नि पि व र का सै रे व सि था थ या द न नू कात्र मि ल रू य व ॥
 मत्र म दिन वै ४५ मा स नू रू मी त्र ४५ न रू ज नू दि ल वा ल वा वा ति म म
 एक रू य व ॥ ॐ तिन रू य वि ज्ञा ना म जा त क स मा फ ४॥ ० ॥ ॥ **ह्यादिन**
रू ज ना म जा त क ॥ उ क ना स र्प च द श मू रू ज सूर्यो स स्नान वायु वै द वः
 ना य स दि द व ता का त्या य ती ग म य दि य द स्नान दू ल वा दान द व जा त म
 हि र्वा स त्व पी त व रू नू थ वा त्या म व रू नू थ वा नी ल व रू द क्ति लो द्वा त ॥
 क रू ज स र्प ज उ ल वा सि प वि पू रू न न स ता जा त मे ध वि प्रिय द र्श न द
 ॥ दू ल वा हा दे व जा ति म स ग त ॥

५

यूक्तासादिकवत्तन्, स्मिन्वाक्कृतिधीन, कृष्णप्रकर्म्मज्ञाहवि
न, गीतहृद्गीतपत्रीकण, यत्रदे, अथानखरुवनी, धनधनपूयद्व
३ श्रीश्रीशयूवपूयश्रमातीमि सास्वराव, गीतलित्त, गंधप
न, अस्वविस्व, वत्रविस्व, पिवमपूक्षात्रधूर्त, काधाय, वापमित्रकः २
पात्रक, विस्वयनेसं, उरुकात्रीशयूव, स्वरुवविता, यमसूयवमदा, मिस्व
वाद, अथानी, यत्रया, निरीसकगठ, इत्त, स्त्रायसयीव, पंचमस्वयाश
यूव॥ ॥ तितकस्मान, श्रीवस्, मुखेस, कुरुस, मुयस, दन, कयावस

अनस, धनधनमविद्वदयूव॥ ॥ स्वरुववायूयमति, पंधि, सुवहृडा
हा, रत्न, वस्व, धनधनीव, त्राकासस्वयाथ, स्वास्वायाथ, धधधनी
वा ॥ ॥ त्रास्वरासविस्वजनधनी, इद, धन, पिनि, मंग, मास्, त्राका, ध, धा
क, स्वायूव, धनशयूव॥ ॥ त्रास्वविना, धा, उवा, तपिरुकरु, मिस्वस्वाकः
मास्, स्वाक, त्रति, सात्र, कुरु, राग, त्रका, त्रमत्क, पंच, वव, र्वे, सा, वमा, स्वा
स्वा, त्रमा, क, क, सु, स्वाक, मिस्वस्वाक, पात्र, राग, वव, १०, वे, यम, सु, सु

५५

प्रातःकाले शिवं विना न विवर्षे २५ अमन आयुवा ॥ अमरुय ॥ वर्षे ६५ पूयारु ×
य वर्षे ७५ संश्रमरुय ॥ अत नमस्ते खड पत्रमप्य वर्षे ७१ नृथवा वर्षे
२१ आयुवत्तु नृथ नवावध सफरा पदमश्नते दूक्रे नमजी वक्ति ॥
मत्र नदिन मास वैश्वकषु नवम्या पूर्वे रुद्र नरु प्रती गमन दिन स्वय २४
हव स मरु शय ॥ अतु कार मरु मास कला धर्म धातु पूजायाय
महाद व पूजायाय वली पूजायाय थथया दन नृकार मरु नास ॥

ॐ नित्याति नरु नाम ज्ञात क समा ४॥ ० ॥ ॥ **विश्वमनरुय**
नाम ज्ञात क ॥ द्वितीये पंचवत्स विना मरुद्रु नृथ मा ज संस्कान सी सः
थि देवता मक्राग्नि देवता मरुत्पायसी ॥ अतु सर्वे मय वक्ति वाक्की
न रुसिवा रु न ना रु स जात ॥ आयु सत्व पीत वरु नृथ वान क वरु नृ
थ वरु रुद्र वरु दक्षिण द्वात्र दक्षिण वरु क सप ॥ अतु रुद्रा ना सि
पाद ३ विष्णु ना सि पाद १ रुद्र क रुद्र क र्ष ३ नृम व रुद्र क र्ष १ अतु प
॥ रुयी वादा ना रुद्र स जात धु सत्व ॥

५४५

कावने जाते हुं डामा वा भा सु ४४४ र सागी वनि जान कर्म आवभावतस
पुन वरुन सुन मीया सु सुवे सुख वादि खर पुन सु सा य र सु नाया पू सम
सु ऊन व पी मिशु व व न प दू न व क सा न मी ३ का य मा वा था कू न ड व न
व न्धू वा न्ध व प की द व सु हा दा की ना यू व या हा र हि द सु हा व चि ना न
न न दी र्य श गी सु ड र का वी वृ धि हि द न न क का यो ना ना क था थी र ड
ग्र ख र व व न मा म व दू मा न या यू व पु न पू डा या क द व ता धा का पू डा या
यू व न रा स आप मिश यू व मा हा वृ धि न स ना क र्म स ध र्मा सि ना द की

२५

हि न क हा यू व ड ड वा दि धा न क रू यू व व र न ध व न रा गी सु द र्व रू य क
न ड य थी र गी न वा प्र प्रिय ग न्ध मा प्र प्रिय वू वा य रु यू व वा न्ना दि न सु
सु ड व द्वा व ध र सु हा व ॥ ॥ तिल क सु न ग्र त स क पा र सु क टि धा न
प ० सु रु दि ड रू ड ध गु ड स प्र न तिल वि ड रू व ति ॥ ॥ सु ग्र या पु रा व
व श्री प न न दि प ना वि व न व मं डु म न पं डा या थी ना ना ड ग्र व रु प र्व न ध
न क नी व ॥ ॥ न रा स रा नी डा द न ड ड ध वि क सि वा क मि क्का न रा डि
ध न न य स व य ॥ ॥ श्री न वि ना धा ड वा न वि रु ग्र त रा ग मा ड स्या क

२४५

पाविष्ठाक कालसु ५ मसु ११ म राग क ३० साक पत राग रुत मू द या दा व
न त्तर मर मरु दिन ५ मास ५ वर्ष ५ पय राग मिखा साक कुन दायू व वः
२१ म हा या धि स प्ये या ह य सु म्पु य हा व वर्ष ३८ न दि ह य व र्ष १० रुत दा
व या ना राग धर न म ल ख व रु धर का व म ल ख विष्ठा य या त उ ई व न सि द
व दा नू डी व ग न हा क हा म न त्तर क त व दि धर न या दा व हा म या य सु म्पु
पूजा ५ म पूजा मि व लिं ग पूजा न हा पा ० पित व का व स व नि वि य धर क म
या त ना व त्तर का व म ल ना म मे व त दि न वै ५ म प क व त्तर कि मी कू कू हा त ही

२/५

पन रुत मरु दिन समरु ॥ ०० ति वि ५ म प ना म न रुत जा त क स मा फ ४॥ ० ॥
॥ न न वा ध ना म न रुत रुत जा त क पु वै आ मि ॥ पंच ता व ५ मि धि
मू दू ७ ३० पूजा ति सं स्तान मि उ द व ता वै अ व ना दि द व ता वि द्वा ना सि पा द ३
ध नू ना सी पा द १ त्तर ग म न रुत क र्ष ३ व द स ति क र्ष १ ध र व ता स जा त रु डी
मा चा ना स ता ख व स य क प हा व न न आ ध न ध र्मे या य म न स द व गी ल
व न स हा व रि ष व च न त व स न रु सी न रु नी द्वा व वृ धि ध न म् स रु न रु
न र द्वा न स र्व जा प स द्वा न सा यी व न्धु य का द य की व ता न्चा यू व न च न र व न
॥ हं स वा ला द व जा मि दे ना स त्वा ॥

५४५४

यातदवसानं गनिकं वृद्धिं ह्यमश्रयकं सृष्टपूर्वकं तया कनककावच
 कृमिश्चायदिव प्रवसायूतं तमेव म्वायूतं तव दूमायात्तं कृमिपूर्वका
 ननकृष्टं वृद्धवान् तया गं समुत्क्रुदिन ॥ ॥ इति तून्नाधनकृष्टनाम जा
 तकसमाफ ॥ ० ॥ **॥ अथ कनकनाम जातकधार्यं च गानतूरे कनकं**
 न साहजिकवदवगावेष्टमयती ॥ ॥ कापरेवाहाननाकसजातवया सत्यं ॥ २८
 नृदवगातायूववर्षे त्रयदा कृष्टवर्षे त्रयदा स्यामवर्षे प्रष्टि मद्यानकृष्ट
 कृष्टकृष्ट सर्वेष्वपि कृष्टासी पप्रियुः ॥ ॥ अतन्कृष्टया कसास ॥ ॥ इति दव
 ॥ कापरेवाहाननाकसजाते मे गसत्ये ॥

गदस्त्रिवाहनानि कारय धनूसा म्नीनी कार तनसु गाजा तथथजा नश्वक
 झानदय म धवि प्रियदर्शन स म्माम स ४८ ल वलव न व दू मि य क ठा रा गो
 वासक स द ४ वि लि प्प हू खी शू य व वि श्रा रा गो क्त्र पा व न त ड श का पा य वि
 श्री आन सा रु धन रा गो रा ग वि व दू व प र कु आ नू व डी नि रा श्चो जू थ
 वा प ५३ रा यो शू य व रा सा व वि ना थी ल व त मि थू न स ग म द थी ल व न य
 य ष श्व स न मि सा धी सा रा व दा ना र कू ठा व क म्मो यो व वि रु नि व स रा व
 दू थी व श्री वा या नि मि लि न म रा दू ४ य स यू व ॥ न व दू व मा ना धि क नू क

२४७५

२९

सुहाव उग्रवादि रुनासि निडस वा निहंयति रुतत्तु हि मान स्वापूषि
य गीत वा अयिती प्रीतिरुत्तु कि स्वास साम सुआपात्र न सा रुदयूव ४
सु० वृद्धि माहावृद्धि उवाक्य कन कुल रं रु मा म व वृडा वादि धूरु वद
उसाहा जनन क पात्र क विव रुक्ष म् स्य पूव रुकि ज विना ध खून खय
व त्तू व व सुवादि धी व व व न सुना न न न ड रु त्थ म शि पित्र सु गी व हि न
पु रु क म् न त्तु स्व साव ॥ ॥ तिस क सुन ग्री व ड व स रु रु ठा ९ ना स रु
ठा ग र वा व स ध र थ न स तिस या वि रु द य व ॥ ॥ सु प्र स ना ना ड रु

नाना र्थे हि सख सुजा या ध र ख का (ध म् नी व ॥ ॥ त्तरु व सु र रु की या क
खायूव पात्र पाद सु न सु य य व ॥ ॥ ना ग वि ना ध उ वा र पि रु ना ग व
ग यो य त ना ग सु र रु स्या क द य रा ग क रु ना ग ध र ना ग ॥ त्तरु क म् न
रु दि न ग मा स उ व र्ष ५ क थ ना ग य त ना ग उ का द ग व र्ष ११ का धि न क
यू व रु या रु य व र्ष १२ क र या धि ॥ व र्ष १५ स ग्ग म स रु य ॥ साम ग न वा
यू रु य रु व न वू यू व रु य ॥ व र्ष २१ सि मा त्तरु दि न का ति नी व रु य ॥ २॥ व र्ष
३२ रु व या धि पा ड स या धि व र्ष ३१ व ना य स रु न पा ठ क र व या वि व र्ष

विषय, ह्युक्तं वसि विषय ध्याया कन मन्त्रे नारु वळु उ नाना माद
 प्रोक्त मित्रा ज्ञान रूप ज्ञान भाव दान मन्त्रे दिन ॥ ॐ ति उ ह्युक्तं नाना मन्त्रे
 उक्त क समाप ॥ ० ॥ ॥ न वतिना मन रूप ज्ञान क ॥ वि ॥ मन्त्रः
 उ ३० यथा देवता नृक रणी न्याय नि (मन्त्र) ॥ व क वा दान देव ज्ञान म
 उ सत्त्व ॥ वृक्ष व या धन निन रा सि य ह्युक्ति कृष्ण उ ह्युक्तं व दान मन्त्र
 व लो स ज्ञान देव मा ना ना क्ता सू व ह्युक्तं व सा दय म स दय व धर्म क
 व पलित ज्ञान सू व ड य ध नी व देव मा क र कि दय व व दान व हि क सः
 ॥ व क वा दान देव ज्ञान मन्त्र ॥

५
 ४
 ३
 २
 १

५३